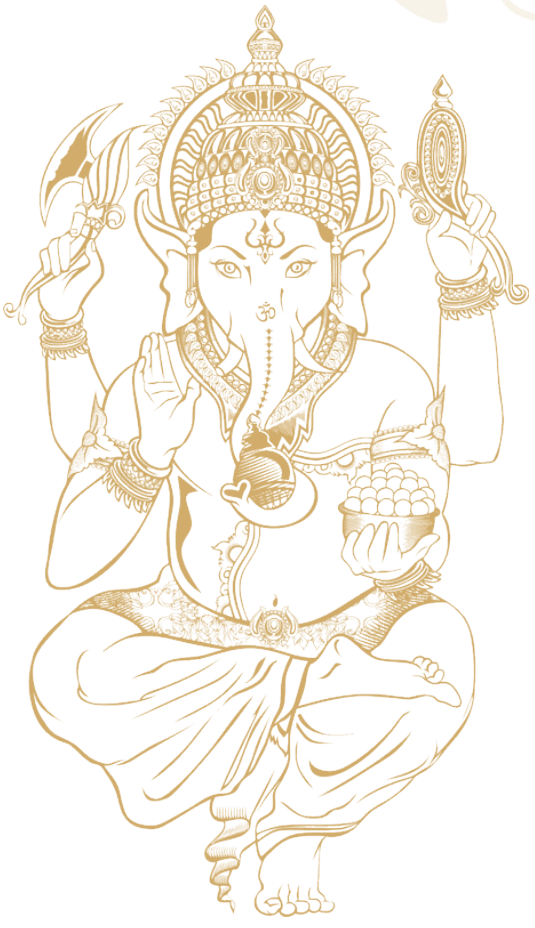

Ashutosh Rai

Divyànshi Rai

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121131210

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
24/05/1999	जन्म तिथि	27-28/06/2000
सोमवार	दिन	मंगल-बुधवार
घंटे 22:00:00	जन्म समय	04:45:00 घंटे
घटी 41:23:30	जन्म समय(घटी)	58:17:55 घटी
India	देश	India
Faridabad	स्थान	Jaunpur
28:24:00 उत्तर	अक्षांश	25:44:00 उत्तर
77:18:00 पूर्व	रेखांश	82:41:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:20:48	स्थानिक संस्कार	00:00:44 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:26:35	सूर्योदय	05:10:22
19:08:19	सूर्यास्त	18:54:12
23:50:42	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:34

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
सूर्य 1वर्ष 0मा 13दि	18:31:54	धनु	लग्न	मिथु	06:00:37	शुक्र 10वर्ष 9मा 12दि
राहु	09:13:29	वृष	सूर्य	मिथु	12:42:58	चन्द्र
06/06/2017	07:41:46	कन्या	चंद्र	मेष	19:28:40	10/04/2017
07/06/2035	01:20:57	तुला व	मंगल	मिथु	13:47:13	10/04/2027
राहु 18/02/2020	07:53:49	वृष	बुध व	मिथु	25:19:08	चन्द्र 08/02/2018
गुरु 13/07/2022	29:37:34	मीन	गुरु	वृष	05:38:49	मंगल 09/09/2018
शनि 19/05/2025	23:35:38	मिथु	शुक्र	मिथु	17:15:01	राहु 10/03/2020
बुध 06/12/2027	16:19:47	मेष	शनि	वृष	02:27:26	गुरु 10/07/2021
केतु 24/12/2028	22:20:19	कर्क व	राहु व	कर्क	00:51:43	शनि 08/02/2023
शुक्र 25/12/2031	22:20:19	मक व	केतु व	मक	00:51:43	बुध 10/07/2024
सूर्य 17/11/2032	22:56:43	मक व	हर्ष व	मक	26:31:33	केतु 08/02/2025
चन्द्र 19/05/2034	10:26:23	मक व	नेप व	मक	12:05:14	शुक्र 10/10/2026
मंगल 07/06/2035	15:27:28	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	17:00:03	सूर्य 10/04/2027

लग्न-चलित

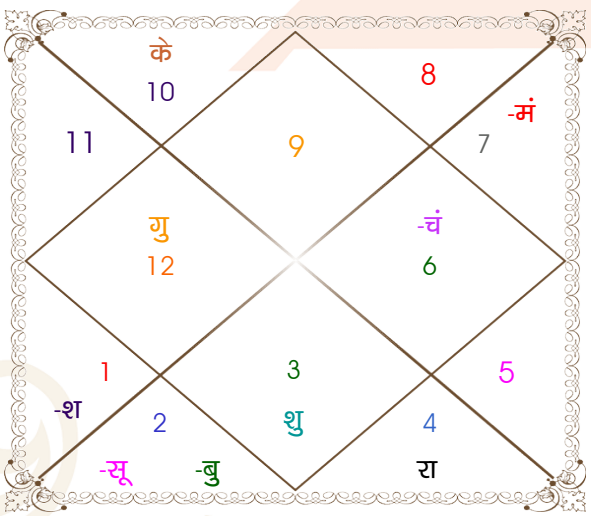

लग्न-चलित

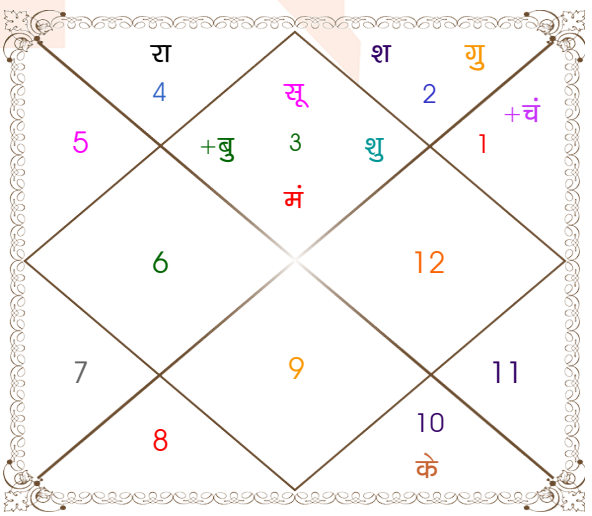

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	गौ	गज	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	मंगल	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कन्या	मेष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	21.50		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

Ashutosh Rai का वर्ग मूषक है तथा Divyànshi Rai का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Ashutosh Rai और Divyànshi Rai का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Ashutosh Rai मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

Divyànshi Rai मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ashutosh Rai कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Ashutosh Rai तथा Divyànshi Rai में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।